


161124

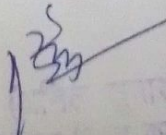
पद्मावती पेश डई/वकुलाप उप०। वकाउ
 प्रार्थी द्वारा उद्धृत प्रार्थना पत्र बाबत
 नाम हजफ पर चरीड अग्रार्थी द्वारा 40
 Object विषा गया एवं नाम हजफ प्रार्थी नं० 3
 पर कोई हतराज पेश नही विषा गया। तथा
 चरीड अग्रार्थी सं 8 का नाम हजफ करने बाबत
 पेश प्रार्थना पत्र जो प्रार्थी सं 3 व अग्रार्थी सं 8
 का पेश उभा जो दोनो प्र०पत्र न्यायहित
 में हवीकार किये जाते हैं। प्रार्थी सं 3 व
 अग्रार्थी सं 8 के नाम से पहले लाल ट्याही
 से हजफ लिखा जाये। जो प्र०पत्र मे भी लिखा जाये।
 मूल प्रार्थना पत्र पर उभय पक्ष
 द्वारा हुनी बहल पर मनन विषा गया एवं
 बहल व प्रारम्भिक आपत्ति व पद्मावती में
 उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन विषा गया।
 उद्धृत प्रार्थना पत्र के अवलोकन से पाया गया
 बि अमि रक० न० 2478 रकबा 0.78 ई व 247
 रकबा 0.10 ई. तन ग्राम अजीतगढ में स्थित है।
 जिलेके पुराने रक० न० 1199 है। एवं अमि रक० न०
 2471 रास्ते के रूप में काम का रही है। पद्मावती
 में उपलब्ध आवंटन आदेश बि उम्माठित प्रति
 के अवलोकन से यह तो स्पष्ट है बि अग्रार्थी
 सं 1 नं० 13 के श्वजि मदन पुत्र हीर के नाम
 दिनांक 20-7-1963 को आवंटन डई थी। प्रार्थीगण
 का मुख्य कथन यह है बि उम्मा अमि पर
 हमारा श्वजो के समय दे कब्जा करत चला
 आ रहा है। परन्तु प्रार्थीगण द्वारा ऐसा कोई
 दोष रिकार्ड पेश नही विषा गया  जिससे

(~~अमि रक० न०~~ पुनार)
 अतिरिक्त जिला कलक्टर
 बीकानेर

यह खातिर तो लगे कि प्राचीन का पूर्व से
कल्या काश्त रहा-लें। प्राचीन द्वारा कृषि
जिला कलमूर सीर के समस्त जो कपील
पेग डि जो घोषणीप मही होने से दिनांक
28।। 2016 को खारीज हुई है। जिसके निर्णय
की प्रति पत्रावली में शामिल है।

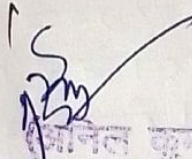
कमील मण्डीगण का मुख्य
कथन यह है कि पत्रावली में उक्त भूमि
रकम न० बाबत तहसीलदार सीमाधोपुर द्वारा
मांवेरन निरस्त करने हेतु 14।। का प्राचीन
पत्र पेग विषा था। जिसका निव्वारण इस
न्यायालय द्वारा पूर्व में ही हो चुका है। इसलिए
उक्त प्राचीन पत्र चलने योग्य नहीं है। एक
ही भूमि व समान पत्रकार होने पर इनके
अलग-अलग प्रकरण नहीं हो सकते। इस
प्रकार से प्रकरण चलना जो वेग जूरी के
बी मंजी में लागू है। जिस हेतु धारा 11 में
स्पष्ट अंकन विषा इमा है। सिद्धि प्रमाण
लंहीला में धारा 11 में स्पष्ट अंकन विषा गवा
कि कोई भी न्यायालय किसी ऐसे वाद या
विवाद का विचारण नहीं करेगा जिससे
प्रत्यक्षतः और खारतः विवाद विषय उसी
के हक में अधीन मुकदमा करने वाले उन्ही
पत्रकारों के बीच के या ऐसे पत्रकारों के
बीच के जिससे व्युत्पन्न अधिकारके अधीन
वै या उनमें से कोई दावा करते हैं। किसी
पूर्ववती वाद में भी ऐसे न्यायालय में
प्रत्यक्षतः और खारतः विवाद रहा है जो
ऐसे पश्चात वती वाद का या उस वाद का
जिसमें ऐसा विवाद वाद में उठाया गया है।
विचारण करने के लिए समस्त या और ऐसे
न्यायालय द्वारा हुना जा चुका है। और
अन्तिम रूप से विनिश्चित विषा जा चुका है।”

पत्रावली में क्रमि रकम न० 2471
जा लिया गया है जिस बाबत पत्रावली के
अवलोकन से पाया गया कि रकम न० 2471
यहवन से लिया गया प्रतीत होता है। इस


अतिरिक्त न्यायालय
नीमकापाना

आधार पर प्राचीण का प्राचीन पत्र मय
प्रारम्भिक क्रापति कारहीन होने से खारीज रिफा
जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के
आधार पर प्राचीण का प्राचीन पत्र
अन्तर्गत धारा 14(4) मय प्रारम्भिक क्रापति
खारीज रिफा जाता है। सि.दु.। यनावपी
फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर
दाखिल दफ्तर हों।


(अमित कुमार)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
नीमकाथाना